शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में मनाया गया

"अन्तराष्ट्रीय वन दिवस" (21.3.2018) एवं "विश्व जल दिवस" (22.3.2018)

अन्तराष्ट्रीय वन दिवस

दिनांक 21/3/2018 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में "अन्तराष्ट्रीय वन दिवस" मनाया गया जिसमें संस्थान के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कार्मिकों एवं शोधार्थियों सहित विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लिया। इस वर्ष के अन्तराष्ट्रीय वन दिवस का विषय "वन एंव सतत शहर, आओ हमारे शहरों को और हरा, और स्वस्थ, और खुशी देने वाली रहने की जगह बनायें ("Forest and sustainable cities, Let's make our cities greener, healthier, happier places to live") है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रघुवीर सिंह शेखावत भा.व.से. अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, जोधपुर ने कहा कि शहरों में खर्च होने वाली उर्जा की वन बचत कर सकते हैं अतः हमें शहरों में वृक्षों का रख-रखाव करना चाहिए। श्री शेखावत ने कहा कि शहरी सौन्दर्यकरण और हरियाली के जो प्रयास होते हैं इस तरह के मॉडल दोहराए जाते हैं / मॉडल रेप्लीकेट (model replicate) होते हैं, इनसे अच्छा संदेश जाता है। उनहोंने शहरों में इस तरह के रोल मॉडल की आवश्यकता प्रतिपादित की।

संस्थान के निदेशक डॉ. आई. डी. आर्य ने शहरों के विकास तथा अन्तराष्ट्रीय वन दिवस की विषय-वस्तु (Theme) की चर्चा की तथा बताया कि हमारे जीवन के साथ हरियाली भी जरूरी है , शहरों में पार्क की सुविधा होती है तो पार्क में घूमने से लोग आनंदित होते हैं, शहरों का वातावरण सही रहे, हरियाली बढ़े इस और बढ़ना है, कैसे करें इसके लिए उपाय है वर्टीकल फ़ार्मिंग, वर्टीकल गार्डनिंग (vertical Farming, vertical gardening) इत्यादि । वैज्ञानिक डॉ.जी. सिंह ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. प्रभागाध्यक्ष ने अन्तराष्ट्रीय वन दिवस की महत्ता एवं इस वर्ष की विषय-वस्तु (Theme) की जानकारी दी । श्री चौधरी ने शहरी सौन्दर्यकरण एवं हरियाली बढाने हेतु विभिन्न स्वयं-सेवी संस्थाओं एवं पर्यावरण प्रेमियों द्वारा किये गये प्रयासों की जानकारी भी करायी । डॉ. तरुण कांत ने पॉवर पोइंट प्रस्तुतीकरण से शहरी सौन्दर्यकरण के लिए हरियाली हेतु विभिन्न विधियों एवं तकनीकी उपायों की जानकारी दी। वैज्ञानिक श्री एन.बाला ने "वन एवं सतत शहर के लिए किस तरह हरियाली की जा सकती है एवं हरियाली के साथ-साथ सौन्दर्यकरण एवं सुन्दर फल फूल वाले पौधों से शहर को कैसे हरा-भरा बना सकते हैं, इसकी जानकारी पॉवर पोइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी।

इस संगोष्ठी में जोधपुर शहर में हरियाली बढाने एवं सौन्दर्यकरण के प्रयास में जुटी स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा पर्यावरण प्रेमियों ने भी अपने विचार रखे श्री सुभाष गहलोत, श्री गणेशा राम प्रजापत, श्री कैलाश भार्गव, श्री भँवर सिंह बेंदा, श्रीमती विमला सिहाग ने हरियाली बढाने एवं सौन्दर्यकरण के बारे में अपने विचार रखे । पर्यावरण प्रेमी श्री पूरण सिंह ने पर्यावरणीय भावों से ओत-प्रोत कविता सुनायी।

कार्यक्रम में प्रसन्नपुरी गोस्वामी, डॉ. एस.एल.हर्ष, श्री अनिल माथुर, श्री एन. के. मंत्री , श्री अमर सिंह शेखावत,श्री किशोर सिंह, श्री प्रवीण कुमार वैष्णव, श्री राघवेंद्र सिंह, श्री योगेश व्यास, श्री सुधीर बच्छावत, श्री रोहित शर्मा, ओम प्रकाश राजोरिया सहित स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और पर्यावरण प्रेमी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. प्रभागाध्यक्ष कृ.वा.एंव वि. ने किया तथा डॉ. बिलास सिंह सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्व जल दिवस

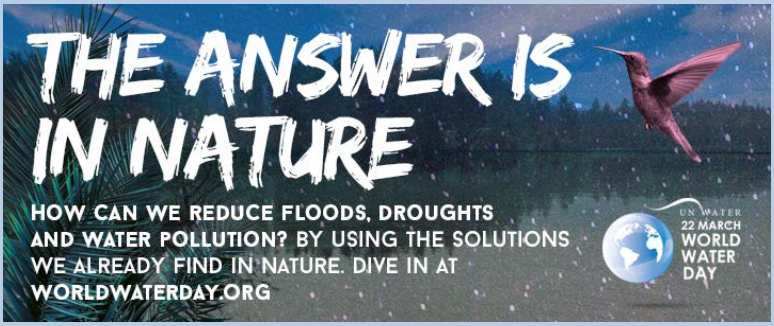

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर में दिनांक 22/3/18 को विश्व जल दिवस मनाया गया, जिसमें आफरी के अधिकारियों/ वैज्ञानिकों / कर्मचारियों / शोधार्थियों सहित पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लिया। इस वर्ष का विषय (Theme) जल के लिए प्रकृति (Nature For Water) हैं । इस अवसर पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री ईश्वरचंद जैन , अधीक्षण अभियंता (परियोजना) , जन स्वास्थ अभियांत्रिकी विभाग, जोधपुर ने प्रति दिन जल की आवश्यकता और आपूर्ति की जानकारी दी। श्री जैन ने रोज़मर्रा के कार्यों में जल उपयोग में सावधानी बरत कर किस तरह से जल की बचत की जा सकती है इसकी भी जानकारी करायी।

जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के अधीक्षण अभियंता श्री गजेंद्र चावला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान में प्रगतिरत मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना के अंतर्गत किए गए जल संरक्षण के कार्यों की जानकारी दी।

जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता श्री जोगेन्द्र सिंह ने जल संसाधन में पानी की उपलब्धता एवं जल के समुचित प्रबंधन की चर्चा की।

भू-जल विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राम कृष्ण चौधरी ने भूमि जल का विवरण दिया तथा इसमें हो रही कमी को रेखांकित किया।

कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी ने विश्व जल दिवस की महत्ता बताई तथा इस वर्ष के विषय (Theme) जल के लिए प्रकृति (Nature For Water) की जानकारी दी।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के श्री महेंद्र चौहान, अधिषाशी अभियंता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने जल संरक्षण का वैज्ञानिक पहलू बताया।

कार्यक्रम का संचालन कृषि वानिकी एवं विस्तार विभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी ने किया । अंत में कृषि वानिकी एवं विस्तार विभाग के डॉ. बिलास सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उपरोक्त समस्त कार्य ग्रामीण क्षेत्र में जल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।
इससे हमारे घर में अनाज/दुग्ध/फल/सब्जी हमेशा उपलब्ध रहेगी।